09 मई 2025 | रांची, शुक्रवार | वर्ष-26, अंक- 96, पृष्ठ-12 | वैशाख शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

चीन ने पाकिस्तान की मदद से किया **इनकार**

चीन ने तनाव के बीच पाकिस्तान की मदद से इनकार किया है। चीन के विदेश मंत्रालय से जब पूछा गया कि क्या भारत-पाकिस्तान संघर्ष में चीनी जेट शामिल थे तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान बीजिंग में नियमित मीडिया ब्रीफिंग में यह जानकारी दी।

₹3.00

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

- जम्मू-कश्मीर, पंजाब व राजस्थान के कई इलाकों में ब्लैकआउट सायरन बजा
- जम्मू और जैसलमेर में ड्रोन हमले की कोशिश नाकाम, भारत ने दिया करारा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर

भारत के 15 शहरों को निशाना बना रहा था पाकिस्तान

जवाबी कार्रवाई में लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह, पाक के रडार हुए बेकार...

भारत ने शुरू की जवाबी कार्रवाई, पाकिस्तान के एफ-16 और जेएफ-17 जेट को मार गिराया

पहलगाम हमले के जवाब में भारत के मिसाइल हमलों के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। अपनी बौखलाहट में उसने भारत के कई अग्रिम स्थानों पर गोलाबारी की है। हालांकि, भारतीय सेनाओं की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को काफी खामियाजा उठाना पड़ा है। भारत की सीमा से सटे पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर लाहौर में उसे काफी नुकसान पहुंचा है। भारत ने लाहौर में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

पाकिस्तान की हर कोशिश नाकाम

गुरुवार सुबह से पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से इस तरह की खबरें सामने आ रही थीं कि लाहौर में कुछ धमाके सुनाई दिए हैं। अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों से भी इसी तरह की खबरें सामने आ रही थीं। इसके बाद सरकार के पत्र सूचना कार्यालय यानी पीआईबी की तरफ से दोपहर 2:34 बजे एक वक्तव्य जारी किया गया। इसमें कहा गया कि माहौल को और तनावपूर्ण बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की हरकतों का माकूल जवाब दिया है।

भारत ने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को टारगेट नहीं किया

सरकार की तरफ से जारी वक्तव्य में कहा गया कि बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के दौरान भारत ने यह स्पष्ट किया था कि हमारा जवाब संतुलित था और टकराव बढ़ाने के मकसद से नहीं था। ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया गया था कि हमने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को टारगेट नहीं किया है। लिहाजा, अगर भारत के सैन्य ठिकानों पर कोई हमला किया जाता है तो इसका उचित जवाब दिया जाएगा।वक्तव्य के मुताबिक, 7 और 8 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने उत्तर और पश्चिम भारत के कई शेष पेज 11 पर

देश के सशस्त्र बलों ने पाक के कई ठिकानों को निशाना बनाया

वक्तव्य के अनुसार, गुरुवार सुबह देश के सशस्त्र बलों ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान जिस तरह से हमले कर रहा है, भारत का जवाब भी वैसा ही है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार पता लगा है कि लाहौर में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया है।

पाकिस्तान को रोकनी पड़ी गोलाबारी : पाकिस्तान नियंत्रण रेखा स्थित जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उड़ी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टर में मोर्टार से गोले दाग रहा है, इनमें 16 नागरिकों की जान गई है। इनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। यहां भी भारत को पाकिस्तान को करारा जवाब देना पड़ा, जिसके बाद पाकिस्तान को गोलाबारी रोकनी पड़ी।

कितना शक्तिशाली S-400?

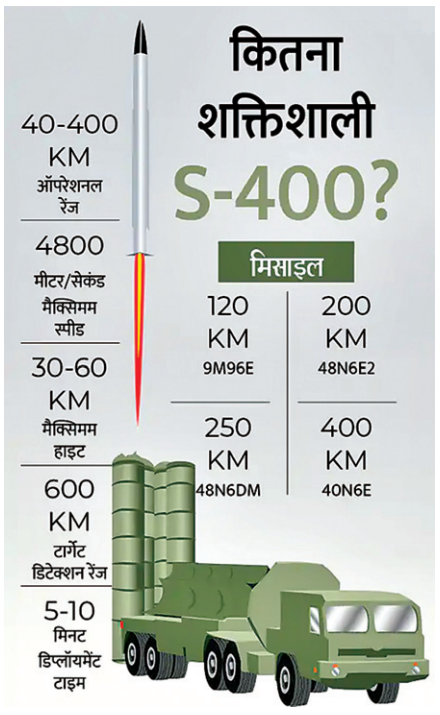

पाकिस्तानी ड्रोन को एस-400 ने हवा में ही कर दिया तबाह

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने बीती रात भारत के कई शहरों में ड्रोन से मिसाइल अटैक किया, जिसे भारतीय वायुसेना की एस-400 सुदर्शन चक्र एयर डिफेंस सिस्टम ने नेस्तनाबूद कर दिया। पाकिस्तान ने 7-8 मई की रात ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि भारतीय सेना ने इन हमलों को एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम से बेअसर कर दिया।

एस-400 'सुदर्शन चक्र' की विशेषताएं : दुनिया के सर्वश्रेष्ठ एयर डिफेंस सिस्टम में शामिल एस-400 'सुदर्शन चक्र' लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम है। इसे रूस के अल्माज-एंटी द्वारा विकसित किया गया है। इसमें स्टेल्थ फाइटर जेट, बमवर्षक, क्रूज और बैलिस्टिक शेष पेज 11 पर

सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

8 नक्सली ढेर, 5 जवान शहीद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। यह मुठभेड़ करिंगुट्टा पहाड़ी क्षेत्र में हुई, जो तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की सीमाओं के संगम पर स्थित है। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने 8 नक्सलियों को मार गिराया, जिनमें दो डिवीजनल कमेटी (डीवीसी) के वरिष्ठ सदस्य भी शामिल हैं।

शेष पेज 11 पर

सरकारी कर्मियों व पेंशनर्स को मिलेगा 55 फीसदी डीए

- डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के नाम परिवर्तन की मिली मंजूरी
- रिम्स के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान की स्थापना के लिए 103 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई

झारखंड कैबिनेट का फैसला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के 3 लाख से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स की लॉटरी लग गई। हेमंत सोरेन सरकार ने इन्हें बड़ा तोहफा दिया है। झारखंड कैबिनेट की 8 मई को हुई बैठक में 7वें केंद्रीय वेतनमान में महंगाई भत्ता बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार के पेंशन/पारिवारिक पेंशनभोगियों के महंगाई राहत में भी वृद्धि करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके यह जानकारी दी। बैठक में मंत्रिपरिषद ने 34 प्रस्तावों को स्वीकृति दी।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि झारखंड राज्य सरकार के कर्मियों को दिनांक 01.01.2016 से प्रभावी पुनरीक्षित वेतनमान शेष पेज 11 पर

पेंशनभोगियों को जनवरी से मिलेगा लाभ

इतना ही नहीं, दिनांक 01.01.2016 से पुनरीक्षित/प्रभावी राज्य सरकार के पेंशन/पारिवारिक पेंशनभोगियों को 01 जनवरी, 2025 के प्रभाव से महंगाई राहत की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गयी। 'राज्य के पेंशनधारियों / पारिवारिक पेंशनभोगियों, जिनके मूल पेंशन का पुनरीक्षण (सप्तम पुनरीक्षण) वित्त विभाग के संकल्प संख्या 218/वि. दिनांक 18.01.2017 द्वारा दिनांक 01.01.2016 के प्रभाव से किया गया है, उन्हें दिनांक 01.01.2025 के प्रभाव से मूल पेंशन का 55 फीसदी (पचपन प्रतिशत) महंगाई राहत स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स)के क्षेत्रीय नेत्र संस्थान की स्थापना के लिए विभिन्न स्तर के कुल 103 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। कैबिनेट ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के नाम में परिवर्तन के लिए झारखंड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2017 में संशोधन की स्वीकृति दी गई। इस पर आदिवासी छात्र संघ ने हर्ष व्यक्त किया है। वहीं मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।

उग्रवादियों और अपराधियों की गिरफ्तारी पर इनामी राशि बढ़ी

रांची। झारखंड सरकार की कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। प्रमुख फैसलों में कुख्यात उग्रवादियों और अपराधियों की गिरफ्तारी पर मिलने वाली इनामी राशि में वृद्धि का निर्णय शामिल है। जिन अपराधियों पर 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनकी गिरफ्तारी पर अब 20 से 30 लाख रुपये तक की इनामी राशि दी जाएगी। वहीं, जिनके विरुद्ध कम से कम तीन मामले दर्ज हैं, उनकी गिरफ्तारी पर न्यूनतम दो लाख रुपये तक का इनाम मिलेगा।

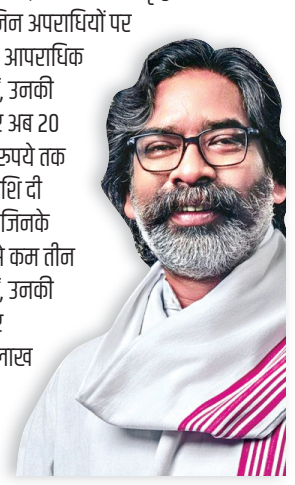

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय बैठक सकारात्मक रही : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की कार्रवाई के संबंध में विभिन्न राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अध्यक्षता की और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी सभी दलों के नेताओं के साथ साझा की। बैठक में सभी दलों ने एकजुटता दिखाते हुए सरकार और सेना के इस कदम का समर्थन किया।

शेष पेज 11 पर

केंद्रीय गृह मंत्री का झारखंड दौरा टला, बैठक हुई स्थगित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची में 10 मई को प्रस्तावित पूर्वी क्षेत्र अंतरराज्यीय परिषद की 27वीं बैठक स्थगित कर दी गई है। यह बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होनी थी। इसके लिए वह 9 मई को रांची पहुंचने वाले थे। आधिकारिक सूत्रों ने बैठक स्थगित होने की वजह नहीं बताई है, लेकिन यह माना जा रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच जारी टकराव और तनाव की स्थिति के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। परिषद के सदस्य चारों राज्यों को बैठक स्थगन की सूचना दे दी गई है। बैठक की नई तारीख बाद में तय की जाएगी। इस बैठक में भाग लेने के लिए झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के मुख्यमंत्रियों के अलावा चारों राज्यों के शीर्ष अधिकारी पहुंचने वाले थे। सरकार ने इन्हें राजकीय अतिथि घोषित किया था। बैठक में अंतरराज्यीय समन्वय, केंद्र-राज्यों के बीच परस्पर देनदारियों से संबंधित विषय, उग्रवाद उन्मूलन, परिसंपत्तियों के बंटवारे, नशीले पदार्थों के कारोबार पर नियंत्रण सहित कई मुद्दों पर विमर्श होना था।

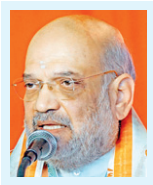

10 मई को प्रस्तावित पूर्वी क्षेत्रीय अंतरराज्यीय परिषद की बैठक स्थगित

शेष पेज 11 पर

800 करोड़ के जीएसटी घोटले में झारखंड व प. बंगाल में छापा, अमित अग्रवाल गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जीएसटी घोटाला मामले को लेकर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में जांच एजेंसी ने झारखंड के रांची, जमशेदपुर और पश्चिम बंगाल में कुल नौ ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी सूत्रों के मुताबिक झारखंड और बंगाल के नौ स्थानों पर रेड करने की पुष्टि की गई है। रांची में एक बड़े बिल्डर के कांके रोड स्थित आवास पर भी ईडी द्वारा कार्रवाई की गई। वहीं जमशेदपुर के व्यपारी अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया को गिरफ्तार करने की सूचना है।

क्या है पूरा मामला : ईडी के आधिकारिक सूत्रों ने बताया प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार की सुबह झारखंड और पश्चिम बंगाल में जीएसटी चालान बनाने में फर्जीवाड़े से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत छापेमारी की है।

शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी
भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

इंडिया

बदले बदले से हैं तेवर भारत विरोधी पश्चिमी मीडिया के

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

पहलगाम में हुए हमले के बाद से भारत की पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की खबर दुनिया भर के बड़े अख़बारों और विभिन्न मीडिया में है। इनमें युद्ध की आशंका और भविष्य की संभावनाओं की चर्चा भी है और बदले हुए भारत की तस्वीर भी। पहले भारत के खिलाफ जहर उगलने वाली पश्चिमी मीडिया के तेवर भी बदले हुए हैं हालांकि बहुत से लोगों खास तौर पर इन्हें आदर्श मानने वाले प्रशंसकों को इनसे निराशा भी हुई होगी क्योंकि इन्हें भारतीय मीडिया गोदी मीडिया लगती है। बीबीसी उर्दू सर्विस की एक महिला रिपोर्टर ने बीबीसी के पूर्ववत भारत विरोधी भेदभावपूर्ण रिपोर्टिंग के अनुरूप कहा कि भारत ने मुजफ्फराबाद की मस्जिद पर हमला किया जबकि मस्जिद के नाम पर वहां चल रहे आतंकी अड्डों का नाम तक नहीं लिया यह रिपोर्ट इन्सटाग्राम पर खूब देखी गई। अमेरिकी अख़बार वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा है, "भारत के स्ट्राइक की वजह से क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है और 2021 से जारी सीज़फ़ायर ख़त्म हो गया है।" "विश्लेषक दक्षिण एशियाई उपमहाद्वीप में कश्मीर पर दशकों से चल रहे संघर्ष के बढ़ने की चेतावनी दे रहे हैं।""बुधवार का हवाई हमला, 2019 की तुलना में कहीं अधिक बड़े पैमाने पर हुआ। 2019 में भारत ने कश्मीर में आत्मघाती बम विस्फोट के जवाब में पाकिस्तान में हमला किया था।" एक अन्य अमेरिकी अख़बार न्यूयॉर्क टाइम्स ने विशेषज्ञों के हवाले से लिखा है भारत और पाकिस्तान के बीच जंग को टाला जा सकता है। "पाकिस्तान का कहना है कि उसने अपने सभी विकल्प खुले रखे हैं। लेकिन राजनयिकों और विश्लेषकों ने उम्मीद जताई है कि पूर्ण युद्ध टाला जा सकता है।" अख़बार ने लिखा, "पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा कि वह भारत के साथ अपने देश के संकट को कम करने में मदद के लिए अमेरिका के आगे के प्रयासों का स्वागत करेंगे।" हमारे दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख मुजीब मशाल ने हमलों के पीछे की वजह इन दोनों देशों का इतिहास वास्तव में शत्रुता

का इतिहास रहा है।" "फ़्रांसीसी अख़बार ला मोंड ने लिखा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति में बुधवार को ऐसी कई विरोधाभासी रिपोर्ट्स प्रसारित की गईं, जिन्हें स्वतंत्र रूप वैरिफ़ाई करना असंभव था।एक अन्य फ़्रांसीसी मीडिया आउटलेट, फ़्रांस 24 ने शोधकर्ताओं के हवाले से कहा कि पूर्ण युद्ध दोनों देशों को महंगा पड़ेगा और वे इससे बचने की कोशिश करेंगे।फ़्रांस 24 के एक शो में यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रैडफ़र्ड में पीस स्टडीज़ और इंटरनेशनल डेवलपमेंट के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर सुधीर सेलवराज ने कहा, "पूरी तरह से युद्ध करना महंगा पड़ेगा और दोनों पक्ष हर क़ीमत पर इससे बचने की कोशिश करेंगे।"ब्रिटेन के अख़बार दे डेली टेलीग्राफ़ ने लिखा कि एशिया में चल रहे संकट में मध्यस्थता की ज़िम्मेदारी अमेरिका की है।द डेली टेलीग्राफ़ ने लिखा, "कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच लगभग 80 सालों से विवाद चल रहा है। कई बार दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है, लेकिन शांति बहाल करने के लिए वे अक्सर अमेरिकी मध्यस्थता का सहारा लेते रहे हैं। लेकिन यह मत समझिए कि यह पैटर्न हमेशा खुद को दोहराता रहेगा।"अख़बार ने सवाल किया, "जब दो परमाणु शक्तियों के बीच जंग का ख़तरा मंडरा रहा है, तो कौन समाधान की मध्यस्थता करेगा?""हम एक बार मान सकते थे कि अमेरिका तनाव कम करने के लिए एक ठोस प्रयास का नेतृत्व करने के लिए आगे आएगा। जब 2002 में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा, तो दिवंगत अमेरिकी विदेश मंत्री कोलिन पॉवेल ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच मध्यस्थता की, इसमें हमारे (ब्रिटेन के) तत्कालीन विदेश सचिव जैक स्ट्रॉ भी शामिल थे।"ब्रिटेन के एक अन्य अख़बार द गार्डियन ने लिखा है कि 'दुनिया भर में जंग को सामान्य बना दिया गया है।' "भारत की पाकिस्तान के ख़िलाफ़ कार्रवाई ऐसे समय पर हुई जब दुनिया भर में जंग सामान्य बात हो गई है और दुनिया की कूटनीतिक प्रणाली कमज़ोर हो गई है।" "भारत ने जिन जगहों पर स्ट्राइक किया है उनमें से चार टारगेट पाकिस्तान के घनी आबादी वाले पंजाब क्षेत्र में हैं। इस इलाक़े में भारत ने 1971 के युद्ध के बाद से हमला नहीं किया था।" गल्फ़ न्यूज़ ने लिखा है कि पाकिस्तान के ख़िलाफ़ भारतीय हमलों की वजह से विश्लेषक तनाव के और अधिक बढ़ने की आशंका जता रहे हैं।ऑस्ट्रेलियन स्ट्रैटेजिक पॉलिसी इंस्टीट्यूट में सीनियर रेजिडेंट फ़ेलो राजेश्वरी पिल्लई राजगोपालन के हवाले से गल्फ़ न्यूज़ ने लिखा, 1998 में दोनों देशों के परमाणु संपन्न होने के बाद से पिछले तीन दशकों में उनके बीच हुए बार-बार के संघर्षों को देखें तो पाएंगे कि उन्होंने संयम दिखाया है।"खलीज टाइम्स ने इस ख़बर को प्रमुखता से छापा है। अख़बार की वेबसाइट भारत पाकिस्तान तनाव पर एक लाइव ब्लॉग भी चला रही है। "दक्षिण एशिया के ये पड़ोसी 1947 के बाद कई युद्ध लड़ चुके हैं। भारतीय सेना ने कहा है कि अब इंसाफ़ हो गया है। भारतीय प्रवक्ता ने कहा है कि उनकी कार्रवाई तनाव बढ़ाने वाली नहीं, और नपी-तुली थी।

भारत के सैन्य ठिकानों पर कोई भी हमला हुआ तो देंगे उचित जवाब : कर्नल सोफिया

- पाकिस्तान ने सीमा पर बढ़ाई गोलीबारी, भारत दे रहा करारा जवाब : विंग कमांडर व्योमिका सिंह
- 8 की सुबह भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई स्थानों पर एयर डिफेंस रडार व सिस्टम, विशेष रुप से लाहौर में एचक्यू-9 मिसाइल डिफेंस यूनिट को नष्ट कर दिया
- पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें 3 महिलाएं और 5 बच्चे शामिल हैं

ब्यूरो

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विदेश सचिव विक्रम मिसरी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह व कर्नल सोफिया कुरैशी ने संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, '07 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर पर प्रेस ब्रीफिंग के दौरान, भारत ने अपनी प्रतिक्रिया को केंद्रित, मापा हुआ और गैर-बढ़ावा देने वाला बताया था। यह विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया गया था। यह भी दोहराया गया था कि भारत में सैन्य ठिकानों पर कोई भी हमला उचित जवाब को आमंत्रित करेगा। 07-08 मई 2025 की रात को, पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग करके अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इन्हें एकीकृत काउंटर यूएएस ग्रिड और एयर डिफेंस सिस्टम द्वारा बेअसर कर दिया गया। इन हमलों के मलबे अब कई स्थानों से बरामद किए जा रहे हैं जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं। शेष पेज 11 पर